कृषि विज्ञान केन्द्र सहारनपुर

सफलता की कहानी

नाम–डा0 विपिन परमार पुत्र श्री सुरेशपाल वर्मा

ग्राम व पोस्ट– बहेडीगुर्जर

विकासखण्ड– पुवारका

जिला– सहारनपुर(यू0पी0)

मोबाइल न0–8208542149

शैक्षिक योग्यता– पी0एच0डी0(जैव प्रौद्योगिकी)

प्रशिक्षण एवं अनुभव– टिस्यूकल्चर में शोध

1. कृषि विज्ञान केन्द्र सहारनपुर द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन,मुर्गी पालन एवं मशरुम
2. रेडियो एक्टिीविटी प्रशिक्षण

अनुभव– वर्ष 2018 से बैगनी व काला गेंहू, केला का जैविक उत्पादन एवं विषणन

स्थापित स्टार्टअप एवं संस्था– राम एग्रोटेक लि0 स्थापना की गयी एवं INPOP का पंजीकरण प्राप्त कर विभिन्न उत्पादकतापरक उत्पादो को निर्मित कर विपणन किया जा रहा है।

वर्ष 2021 से बायोफलोक मत्स्य पालन आरम्भ किया गया।

अपनाए गये उद्यम–

1. एकीकृत खेती पद्वति (केला,मत्स्य पालन,आम,जैविक खेती एवं वर्मी कम्पोस्ट)

वर्षिक आय–व्यय

वर्ष	उद्यम	व्यय(रु लाख में)	आय(रु लाख में)
2018	वर्मी कम्पोस्ट–100 टन	5.0	8–10
2019	केला –1800 पौधे	1.5	3.5
2020	काला एवं बैगनी गेंहू–1 हे0	0.8	1.7
2021	बायोफलोक मत्स्य पालन–12 टैंक	15.00	–

RAM AGROTECH
Normal Wheat
Purple Wheat

सफलता की कहानी

नाम–श्री सुधीर सैनी पुत्रश्री जयपाल सिंह

ग्राम व पोस्ट– खुशहालीपुर
विकासखण्ड– मुजफराबाद
जिला– सहारनपुर(यू0पी0)
मोबाइल न0–9761905686
शैक्षिक योग्यता– स्नातक,प्राकृतिक चिकित्सक एवं योग डिप्लोमा

प्रशिक्षण एवं अनुभव– आरएसइटीआई फूड रिर्चस (100 दिन) उद्यान एवं खाद प्रसंसकरण विभाग उ0प्र0

1. कृषि विज्ञान केन्द्र सहारनपुर द्वारा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अन्तर्गत मशरुम उत्पादन(200 घण्टे) एवं पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता(300 घण्टे)
2. रोगगार परक मुल्य वार्धित उत्पाद मशरुम, अंजीर, जैली, आचार, विस्कुट, एलोविरा, जूस एवं औषधीय उत्पाद ,गुलकंद औषधीय गुड़
3. अनुभव– 2011 से वर्ष उत्पादन एवं विषणन
4. स्थापित स्टार्टअप एवं संस्था रॉयल फूड की स्थापना की गयी एफएसएसएआई का लाइसेंस प्राप्त कर विभिन्न उपक्तापरक उत्पादो को निर्मित कर विषण किया जा रहा है। फूट प्रोसेसिंग यूनिट और अंजीर 1880,सहजन100, गुलाब, नीबू, करोंदा
5. वर्षिक आय–व्यय 250–35 लाख वर्ष 2011

अमर उजाला सहारनपुर amarujala.com

अंजीर की बागवानी से मिली मुनाफे की मिठास

देवेंद्र कुमार

सहारनपुर। परंपरागत खेती में लगात अधिक और मुनाफा कम होने के कारण जनपद के किसान नित नए प्रयोग कर रहे हैं। ऐसा ही एक प्रयोग गांव खुशहालीपुर निवासी सुधीर सैनी ने किया है। उन्होंने अंजीर की बागवानी शुरू की है।

इससे अब उत्पादन भी शुरू हो गया है। वे न सिर्फ अंजीर बेच रहे हैं बल्कि प्रोसेस करके शर्बत, जैम और चटनी आदि भी बना रहे हैं। गांव खुशहालीपुर के किसान सुधीर सैनी अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्रोत हो सकते हैं। उन्होंने परंपरागत बागवानी के स्थान पर अंजीर की बागवानी शुरू की है। उन्होंने तीन वर्ष पहले देहरादून से लाकर एक एकड़ में अंजीर का सघन बाग लगाया था।

उसमें करीब 1800 पौधे रोप रखे हैं। इन पर प्रति पौधा करीब पांच किलो फल प्राप्त हो रहे हैं।

एक्सक्लूसिव

1800 पौधे तीन साल पूर्व देहरादून से लाकर रोपे थे

प्रोसेसिंग कर अंजीर से बना रहे शर्बत, जैम और चटनी

अंजीर के बाग में बागवान सुधीर सैनी।

कश्मीरी एप्पल बेर में तलाश रहे भविष्य

प्रोसेस कर कमा रहे अधिक मुनाफा

ट्रायल के तौर पर शुरू की सेब की बागवानी

कमल और सिंघाड़े की खेती

उनका दावा है कि दस वर्ष में अंजीर का प्रति पेड़ उत्पादन 100 किलो तक पहुंच जाएगा। पौष्टिकता से भरपूर होने के कारण अंजीर की बाजार में मांग है और दाम भी अच्छा मिलने से काफी मुनाफा है।

फिलहाल वे अंजीर को प्रोसेस कर शर्बत एवं चटनी आदि बना रहे हैं। अंजीर के ताजे फलों को वे 200 रुपये प्रति किलो तक बेच रहे हैं। (संवाद)

सफलता की कहानी

नाम–श्री हीमाशु सैनी पुत्र श्री रिषीपाल सैनी
ग्राम व पोस्ट– मुरतजापुर
विकासखण्ड– सढोली कदीम
जिला– सहारनपुर (यू0पी0)
मोबाइल न0–9027893050
शैक्षिक योग्यता– हाई स्कूल
प्रशिक्षण एवं अनुभव–

1. कृषि विज्ञान केन्द्र सहारनपुर द्वारा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अन्तर्गत मशरुम उत्पादन(200 घण्टे) एवं आर्या अन्तर्गत मशरुम उद्यमी प्रशिक्षण

अनुभव– वर्ष 2019 से ओस्टर, बटन एवं गैनोडरमा मशरुम उत्पादन एवं विपणन

स्थापित स्टार्टअप एवं संस्था– स्वम एवं कृषक समूह के साथ मिलकर विपणन किया जा रहा है।

अपनाए गये उद्यम– ओस्टर, बटन एवं गैनोडरमा मशरुम

वर्षिक आय–व्यय

वर्ष	ओस्टर	बटन	गैनोडरमा	व्यय(रु लाख में)	आय(रु लाख में)
2019	600 बैग	350 बैग	00	0.35	0.72
2020	3900 बैंग	500 बैंग	1000 बैंग	0.70	1.20
2021	4400 बैग	650 बैग	1400 बैग	0.82	1.45